



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 3, 1981 (आश्विन 11, 1903)

No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 3, 1981 (ASVINA 11, 1903)

इस भाग में सिम्प पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलन संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रसाधित प्रवेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	451
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1263
भाग I—खंड 3—एका मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रसाधित प्रवेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	--
भाग I—खंड 4—एका मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1345
भाग II—खंड 1—प्रशिक्षण, प्रशिक्षण और विनियम	*
भाग II—खंड 1—क—प्रशिक्षणों, प्रशिक्षणों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खंड 2—विशेष उच्च विधेयकों पर प्रवर समितियों के द्वारा दिये गये रिपोर्ट	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गये सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियाँ आदि भी शामिल हैं)	2007
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	3095
भाग II—खंड 3—(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें एका मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियाँ भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	589
भाग II—खंड 4—एका मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक विनियम और आदेश	387
भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासकों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधोतन्त्र कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	1140
भाग III—खंड 2—पेटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	513
भाग III—खंड 3—मुख्य प्रायुक्तों के प्राधिकार के अधीन प्रयत्न द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	115
भाग III—खंड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	2621
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	191
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु आदि के प्राधिकृत को दिखाने वाला प्रमाणपत्र	*

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .. .	657	PART II—SECTION 3(ili).—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in section 3 or section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules and Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) .. .. .	589
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .. .	1263	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .. .. .	387
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence .. .. .		PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. .	1140
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .	1345	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .. .. .	513
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. .. .	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. .	115
PART II—SECTION I-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations .. .. .	*	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .	
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committees on Bills .. .. .	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .. .	191
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. .. .	2007	PART V. Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi .. .. .	
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .. .	3095		

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपात सचिवालय.

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1981

शुद्धि पत्र

सं० 65 प्रेज/81—दिनांक 13 जून, 1981 के भारत के राजपत्र के भाग-I खण्ड 1, में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना संख्या 32-प्रेज/81, दिनांक 1 जन, 1981, को निरस्त किया जाता है एवं दिनांक 4 अप्रैल, 1981 के भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड-I, में प्रकाशित इस सचिवालय की दिनांक 26 जनवरी, 1981 की अधिसूचना सं० 25-प्रेज 81 में निम्नलिखित संशोधन किये जाते हैं :—

(क) क्रम संख्या 6 में

ग्रुप कप्तान दलाप कुमार खशनोबीश (5432)  
वैमानिक इंजीनियर (यांत्रिक) ”

के स्थान पर पढ़ें—

“ग्रुप कप्तान दलीप कुमार खशनोबीश (5432)  
वैमानिक इंजीनियर (यांत्रिक)”

(ख) क्रम संख्या 51 में

“205057 मास्टर वारंट अफसर ब्रह्मदेसम  
वैक्टरमन वैक्टरमलम, एयर फील्ड सेप्टी ओपरेटर”

के स्थान पर पढ़ें—

“205057 मास्टर वारंट अफसर ब्रह्मदेसम  
वैक्टरमन वैक्टरमलम, एयर फील्ड सेप्टी  
ओपरेटर”

सु० नीलकण्ठन,  
राष्ट्रपति का उप सचिव

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

लिपिक श्रेणी परीक्षा (समूह 'घ' कर्मचारियों के लिए), 1981

नियम

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं० 9/7/81-के०से०-II—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा भाषा (ख) के ग्रेड-VI के अवर श्रेणी ग्रेड, में

पर नियमित रूप से नियुक्त ग्रुप 'घ' कर्मचारियों के लिए आरक्षित अस्थाई रिक्तियों को भरने के प्रयोजन से, गृह मंत्रालय में कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली के कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सन् 1981 में ली जाने वाली अर्हक परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

जो उम्मीदवार परीक्षा में प्रविष्ट किए जाएंगे वे निम्न-लिखित सेवाओं की रिक्तियों के पात्र होंगे :—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, यदि वे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में कार्य कर रहे हैं;
- (ii) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, यदि वे सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर्सेवा संगठनों में नियुक्त हैं;
- (iii) भारतीय विदेश सेवा (ख) का ग्रेड-VI यदि वे विदेश मंत्रालय या विदेशों में इसके दूतावासों में नियुक्त हैं; और
- (iv) संसदीय कार्य विभाग में अवर श्रेणी लिपिक के पदों में।

परीक्षा के परीणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी की जाने वाली विज्ञप्ति में निर्दिष्ट की जाएगी, भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण किया जाएगा।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अभिप्राय उस किसी भी जाति से है जो निम्नलिखित में उल्लिखित है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950।

संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950।

संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।

संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।

(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियां संशोधन) आदेश, 1956।

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966।

चल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर

पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा संशोधित किए गए के अनुसार ।

संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 ।

संविधान (अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959 ।

संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 ।

संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962 ।

संविधान (पांडचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964 ।

संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) उत्तर प्रदेश, आदेश 1967 ।

संविधान (गोआ, दमन तथा दीप) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 ।

संविधान (नागालैंड, अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 और अनुसूचित जाति तथा आदिम जाति (संशोधन) अधिनियम, 1976 ।]

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट में विहित विधि से किया जाएगा । किस तारीख और किस-किस स्थान(ओं) पर परीक्षा ली जाएगी, इसका निश्चय आयोग द्वारा किया जाएगा ।

4. कोई भी अस्थाई अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थाई ग्रुप 'घ' कर्मचारी जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो परीक्षा में बैठने का पात्र होगा :—

I. सेवा अवधि —उसने (i) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालय/कार्यालयों में अथवा (ii) सशस्त्र सेना मुख्यालय और अथवा अन्तर सेवा संगठनों अथवा (iii) विदेश मंत्रालय अथवा विदेशों में इसके दूतावासों अथवा (iv) संसदीय कार्य विभाग में अवर श्रेणी लिपिक के पदों में ग्रुप 'घ' कर्मचारी के रूप में अथवा किसी उच्चतर ग्रेड में 1 अगस्त 1981 को कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की हो ।

टिप्पणी 1 —5 वर्ष का अनुमोदित एवं लगातार सेवा की सीमा तक भी लागू होगी, यदि उम्मीदवार की कुल गिनती की जाने वाली सेवा आंशिक रूप में केन्द्रीय सचिवालय सेवा में भाग लेने वाले किसी मंत्रालय अथवा किसी कार्यालय में अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी कार्यालय में ग्रुप 'घ' कर्मचारी के रूप में और आंशिक रूप से अन्यत्र उसके समकक्ष या उच्चतर ग्रेड में या विदेश मंत्रालय में और विदेशों में इसके दूतावासों अथवा संसदीय कार्य विभाग में ग्रुप 'घ' कर्मचारी के रूप में हो ।

टिप्पणी 2 — जो ग्रुप 'घ' कर्मचारी, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग-बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, वे अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे, जो ग्रुप 'घ' कर्मचारी संवर्ग-बाह्य पद पर नियुक्त किया गया है अथवा स्थानान्तरण पर अन्य सेवा में है और फिलहाल ग्रुप 'घ' के पद पर उसका ग्रहणाधिकार बना हुआ है वह भी अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने के पात्र है ।

II. आयु —वह 1 अगस्त, 1981 को 50 वर्ष का कम से अधिक का नहीं होना चाहिए अर्थात् 2 अगस्त, 1931 से पहले उसका जन्म न हो ।

यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का है तो उपर्युक्त निर्धारित आयु-सीमा में अधिक से अधिक 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है ।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु-सीमा में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

III. शैक्षणिक अर्हता —भारत में केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण-पत्र, जो राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए मैट्रिक प्रमाण-पत्र के समकक्ष माना जाता है, वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा अवश्य पास की होनी चाहिए ।

टिप्पणी 1 — यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसके पास करने से वह आयाग की परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी अर्हक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा है, वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा ।

टिप्पणी 2 — कुछ विशिष्ट मामलों में, जहाँ कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है ।

5. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा ।

6. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं है।

7. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा की है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति में छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपयोग का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा
- (8) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (9) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यभिचारित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रॉस्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

- (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाहों की जा सकती है।

8. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोशिश करेगा तो उसे उक्त परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

9. परीक्षा के बाद आयोग प्रत्येक संबंधित संवर्ग प्राधिकारी को इस परीक्षा में भाग लेने वाले उन उम्मीदवारों के नामों की अलग सिफारिश करेगा जो आयोग द्वारा

अपने विवेकानुसार नियत किए गए अर्हक मानक प्राप्त करेंगे। संवर्ग प्राधिकारी अपने द्वारा इस सम्बन्ध में बनाए गए नियमों/विनियमों के अनुसार भरी जाने वाली निर्णीत की गई रिक्तियों पर उनकी नियुक्ति करने के कथम उठावेंगे।

आयोग को अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम अर्हक मानक में छूट देने का विवेकाधिकार है।

10. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबन्धित सेवा के अधिकारियों के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित चिकित्सा परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी जिनके बारे में नियुक्ति के लिए विचार किए जाने की संभावना हो।

टिप्पणी —विकलांग भूतपूर्व रक्षा सेवाओं के कामियों के मामले में रक्षा सेवाओं के सैन्य-विघटन चिकित्सा बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

11. इस परिणाम के आधार पर की जाने वाली सभी नियुक्तियों के साथ एक बात यह होगी कि यदि उम्मीदवार ने सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान अथवा अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा ली गई अंग्रेजी या हिन्दी की कोई आवर्ती टंकन परीक्षा पहले ही पास न की हो तो यह नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संचालित अंग्रेजी में 30 शब्द अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट का न्यूनतम गति से ऐसा परीक्षा पास करेगा। ऐसा न करने पर जब तक वह परीक्षा पास नहीं कर लेता तब तक उसे वार्षिक वेतन वृद्धि (वृद्धियां) नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा की अवधि में उक्त परीक्षा पास नहीं कर लेता तो उसे अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में नियुक्त करने से पूर्व मूल नियुक्ति पर अथवा अस्थायी पद पर लौटा दिया जाएगा।

टिप्पणी —परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त जिस उम्मीदवार ने उपर्युक्त निर्धारित आधार पर टंकन परीक्षा पहले ही पास कर ली हो या जो अपनी नियुक्ति के 6 मास के भीतर टंकन परीक्षा पास कर लेगा उसे पहली वेतन वृद्धि एक वर्ष के बजाए छः महीने के बाद ही दी जाएगी, परन्तु इस बाद में नियमित वेतन वृद्धियों में समाविष्ट कर लिया जाएगा।

12. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद अथवा परीक्षा में बैठने के बाद अपने ग्रुप (घ) पद की नियुक्ति से त्याग-पत्र दे देता है अथवा/और किसी कारणवश नौकरी छोड़ देता है अथवा

उससे सम्बन्ध-विच्छेद कर लेता है अथवा उसकी सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है अथवा वह किसी संवर्ग-बाह्य पद पर अथवा किसी अन्य सेवा में स्थानान्तरण पर नियुक्त हो जाता है और ग्रुप 'घ' पद पर उसका पुनः ग्रहणाधिकार नहीं रहता है, तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उस ग्रुप 'घ' कर्मचारी के मामले में लागू नहीं होगी, जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

ए० एल० राजेन्द्रन, अवसर सचिव

#### परिशिष्ट

परीक्षा निम्न योजना के अनुसार होगी:—

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिये दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे:—

पत्र सं०	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
I	लघु निबन्ध	100	1½ घंटा
		5)	1 घंटा
III	भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान	50	1 घंटा

2. परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में बताया गया है।

3. उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे प्रश्न पत्र I या प्रश्न पत्र III या दोनों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि) में किसी में दें। प्रश्नपत्र II के उत्तर सब उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिये।

टिप्पणी 1:—प्रश्न पत्र III में छूट पूरे प्रश्न पत्र के लिये होगी, इस प्रश्न पत्र के अलग अलग प्रश्नों के लिये नहीं।

टिप्पणी 2:—उपर्युक्त परीक्षा के प्रश्न पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना इरादा आवेदन पत्र में स्पष्टतः लिख देना चाहिये अन्यथा यह समझा जायेगा कि वे प्रश्न पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में देंगे।

टिप्पणी 3:—एक बार चुना हुआ विकल्प अन्तिम होगा और इसके परिवर्तन के लिये कोई अनुरोध साधारणतया स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी 4:—उम्मीदवार द्वारा चुनी गई भाषा के सिवाय किसी अन्य भाषा में उत्तर देने पर कोई अंक नहीं दिये जायेंगे।

4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

5. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्हक (क्वालिफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

6. केवल छिदले ज्ञान के लिये कोई अंक नहीं दिये जायेंगे।

7. अस्पष्ट लिखावट के लिये पूर्णांक के 5 प्रतिशत तक अंक काट लिये जायेंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में, क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग में, शीक ठीक की गई अभिव्यक्ति के लिये अंक दिये जायेंगे।

#### अनुसूची

#### पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र I: लघु निबन्ध—दिये गये कई विषयों में से किसी एक पर निबन्ध लिखना होता।

प्रश्न पत्र II:—सामान्य अंग्रेजी—उम्मीदवारों को साधारण बन्ध रचना, व्यावहारिक व्याकरण तथा प्रारम्भिक सारणीकरण (आंकड़ों को संकलित करने तथा सारणी के रूप में उन्हें व्यवस्थित करने) करने की कला में उम्मीदवारों की योग्यता जांचने के लिये) में परीक्षा की जायेगी।

प्रश्न पत्र III:—भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान सामाजिक घटनाओं और प्रतिदिन दृष्टि गोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव, जिनका किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से, जिसने कि किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो, आशा की जा सकती है। इस पत्र में भारत के भूगोल से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

#### भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011 दिनांक

सं० 31/1/80-स्मा:—भारत सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संकल्प सं० 31/1/76-स्मा०, दिनांक 24-8-77 के अनुसार अधोलिखित व्यक्ति केन्द्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड के सदस्य नियुक्त किये गये हैं जो, यथास्थिति, राज्य सभा/लोक सभा द्वारा निर्वाचित हैं अथवा विश्वविद्यालयों/भारत सरकार की सफाईशों के आधार पर शिक्षा संस्थानों/राज्य सरकारों/अध्यक्षों द्वारा मनोनीत हैं:—

#### I. संसद द्वारा निर्वाचित सदस्य

(I) श्री डी० हरिप्रसाद संसद सदस्य (राज्य सभा)  
117, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली

(II) श्री विजय मोदक, संसद सदस्य (लोक सभा)  
16, जनपथ, नई दिल्ली

(III) श्री चन्द्र भाल मणि तिवारी, संसद सदस्य (लोक सभा) 30 वेस्टर्न कोर्ट, नई दिल्ली।

I. भारतीय इतिहास कांग्रेस द्वारा मनोनीत

प्राध्यापक आर० एस० शर्मा,  
भारतीय इतिहास कांग्रेस,  
भारतीय लोक प्रशासन संस्थान,  
इष्ट प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली।

III. अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन द्वारा मनोनीत  
प्राध्यापक आर० एन० गड्केकर,  
महाराष्ट्र

अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन,  
भण्डारकर प्राच्यविद्या शोध संस्थान, पुण-4

I. एसियाटिक सोसाइटी द्वारा मनोनीत

डा० सुनील रे,  
निदेशक, भारतीय संग्रहालय,  
कलकत्ता  
भारतीय पुरातत्व परिषद् द्वारा मनोनीत  
डा० जी० पी० अग्रवाल,  
भौतिक अनुसन्धान प्रयोगशाला,  
अहमदाबाद

~~भारतीय इतिहासिक अनुसन्धान परिषद्~~ द्वारा मनोनीत  
प्राध्यापक ए० आर० कुजकर्णी,  
अध्यक्ष,

भारतीय ऐतिहासिक अनुसन्धान परिषद  
35, फीरोजशाह रोड,  
नई दिल्ली।

II. भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि

I. प्राध्यापक एस० आर० शास,

प्राचीन भारतीय इतिहास,  
संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग,  
कलकत्ता विश्वविद्यालय,  
कलकत्ता।

II. प्राध्यापक आर० एन० मेहता,  
अध्यक्ष,  
प्राचीन, इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग,  
एम० एस० विश्वविद्यालय,  
बड़ौदा

III. प्राध्यापक के० के० सिन्हा,  
अध्यक्ष,  
प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग,  
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,  
वाराणसी।

I. डा० के० बी० रमन,  
प्राचीन भारतीय इतिहास,  
संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग,  
मद्रास यूनिवर्सिटी।  
मद्रास।

II. डा० बी० पी० सिन्हा,  
अध्यक्ष,  
प्राचीन इतिहास विभाग,  
पटना विश्वविद्यालय,  
पटना।

II. राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

I. श्री पी० सीतापति,  
आयुक्त,  
पुरालेख, पुरातत्व तथा संग्रहालय,  
आंध्र प्रदेश सरकार,  
हैदराबाद।

II. श्री जी० एन० भुयान,  
निदेशक,  
पुरातत्व और राज्य संग्रहालय, असम,  
गोहाटी।

III. डा० सीताराम राय,  
निदेशक,  
पुरातत्व और संग्रहालय बिहार,  
पटना।

IV. निदेशक (पुरातत्व)  
गुजरात राज्य,  
अहमदाबाद।

V. श्रीमती प्रमिला इस्सर,  
निदेशक (पुरातत्व)  
हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़।  
श्री पीरजादा अली मोहम्मद,  
निदेशक,  
पुरालेख, पुस्तकालय और संग्रहालय,  
जम्मू और कश्मीर सरकार,  
श्रीनगर।

निदेशक,  
भाषा और संस्कृति,  
हिमाचल प्रदेश सरकार,  
शिमला।  
श्री एम० एस० नागराजाराव,  
निदेशक,  
पुरातत्व और संग्रहालय,  
कर्नाटक सरकार,  
मैसूर-570001।

श्री के० महेश्वरन नायर,  
निदेशक, (पुरातत्व)  
त्रिचेन्द्रम।

श्री एम० डी० खरे,  
निदेशक,  
पुरातत्व और संग्रहालय,  
मध्य प्रदेश सरकार  
भोपाल।

निदेशक, (पुरातत्व)  
महाराष्ट्र सरकार,  
बम्बई।

श्री ई० नीलकण्ठसिंह,  
निदेशक,  
समाज कल्याण, कला और संस्कृति,  
मणिपुर सरकार,  
इम्फाल।

डा० एस० के० चट्टोपाध्याय,  
उपनिदेशक,  
लोक अनुदेश और अध्यक्ष, संग्रहालय और पुरालेख,  
मेघालय सरकार, शिलांग।

श्री एम० आलेमखिबा आव,  
संयुक्त निदेशक,  
कला और संस्कृति, नागालैंड सरकार  
कोहिमा।

निदेशक,  
सांस्कृतिक कार्य,  
उड़ीसा सरकार,  
भुवनेश्वर।

सरदार तेज सिंह,  
निदेशक,  
सांस्कृतिक कार्य, पुरातत्व और संग्रहालय,  
पंजाब सरकार, चण्डीगढ़।  
निदेशक,  
पुरातत्व और संग्रहालय,  
जयपुर, राजस्थान।

श्री ताशी डेन्सपा,  
उप सचिव अध्यक्षा,  
पुरातत्व सिक्किम सरकार गंगटोक।

डा० आर० नागस्वामी,  
निदेशक (पुरातत्व)  
तमिलनाडु सरकार,  
मद्रास।

श्रीमती रत्ना दास,  
क्यूरेटर, सरकार संग्रहालय,  
त्रिपुरा सरकार,  
अगरतला।

निदेशक (पुरातत्व)।  
उत्तर प्रदेश सरकार,  
लखनऊ।

सचिव,  
सूचना और सांस्कृतिक कार्य विभाग,  
पश्चिमी बंगाल सरकार  
कलकत्ता।

#### वैज्ञानिक

I डा० डी० लाल,  
निदेशक,  
भौतिक अनुसन्धान प्रयोगशाला,  
नवरंगपुर,  
अहमदाबाद-380009।

II डा० विष्णु मिश्रा  
पुरा वनस्पति शास्त्र,  
बीरबल साहनी संस्थान,  
53 यूनिवर्सिटी रोड,  
पोस्ट बाक्स सं० 106, लखनऊ-226007।

केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत  
प्राध्यापक जी० आर० शर्मा,  
अध्यक्ष,  
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व  
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

II डा० एस० बी० देव,  
निदेशक,  
वक्कन कालेज स्नातकोत्तर तथा अनुसन्धान संस्थान,  
पुणे

III डा० आर० शुभमानयन,  
अध्यक्ष,  
प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व,  
नागार्जुन विश्वविद्यालय,  
नागार्जुन नगर-522510।

IV डा० बी० छ० छत्रा,  
एन० 36, ग्रेटर कैलाश, भाग-I।  
नई दिल्ली-110048।

भूतपूर्व महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण।

I प्राध्यापक बी० जी० ताल,  
निदेशक,  
भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान,  
राष्ट्रपति निवास, शिमला-5।

II श्री एम० एन० वेशपांडे,  
निदेशक,  
पुरातत्व परियोजना,  
नेहरू केन्द्र, 7वीं मंजिल,  
स्टेलि सेन्टर, डा० एनीबसन्त रोड,  
वर्ली-बम्बई-400018।

III श्री के० वी० सौन्दरराजन, सदस्य सचिव  
संयुक्त महानिदेशक,  
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,  
नई दिल्ली।

डा० देवला मित्र,  
महानिदेशक तथा पदेन संयुक्त, सचिव



## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

## 'CLERKS' GRADE EXAMINATION (FOR GROUP 'D' STAFF), 1981

## RULES

New Delhi-1, the 3rd October 1981

No. 9/7/81-CS.II.—The Rules for a qualifying examination to be held by the staff Selection Commission, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, New Delhi in 1981, for the purpose of filling temporary vacancies reserved for regularly appointed Group 'D' Staff in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, the Armed Forces Headquarters Clerical Service, Grade VI of the Indian Foreign Service Branch (B) and posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, are published for general information.

The candidates who are admitted to the examination will be eligible for vacancies :—

- (i) in the Central Secretariat Clerical Service, if they are working in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service;
- (ii) in the Armed Forces Headquarters Clerical Service, if they are employed in the Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisations;
- (iii) in Grade VI of the IFS (B), if they are employed in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad; and
- (iv) in posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the advertisement to be issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Caste/Tribe means any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) (Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1996.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix to these Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. Any permanent or regularly appointed temporary Group 'D' employee who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination :—

I. *Length of Service.*—He should have rendered on 1st August, 1981, not less than 5 years of approved and continuous service as a Group 'D' employee or in any higher Grade in Ministries/Offices participating in (i) the Central Secretariat Clerical Service, or (ii) Armed Forces Headquarters and/or Inter-Services Organisations or (iii) in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad or (ix) posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs.

NOTE (1) :—The limit of 5 years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of the candidate is partly as a Group 'D' employee in any Ministry or Office participating in the Central Secretariat Clerical Service or in the Offices participating in the Armed Forces Headquarters Clerical Service and partly elsewhere in equivalent or higher grade or as Group 'D' employee in the Ministry of External Affairs and its Missions abroad or in posts of L.D.C. in the Department of Parliamentary Affairs.

NOTE (2) :—Group 'D' employees who are on deputation to ex-Cadre posts with the approval of the Competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. A Group 'D' employee who has been appointed to an ex-cadre post or to another Service on transfer and continues to have a lien on a Group 'D' post for the time being will also be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

II. *Age.*—He should not be more than 50 years of age on 1st August, 1981, i.e. he must not have been born earlier than 2nd August, 1931.

The age limit prescribed above will be relaxable upto a maximum of 5 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

III. *Educational Qualification.*—Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Govt. of India as equivalent to matriculation certificate for entry into service.

NOTE (1) :—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE (2) :—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of Government justifies his admission to the examination.

5. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period;

- (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under appropriate rules.

8. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

9. After the examination, the Commission will recommend separately to each Cadre Authority concerned participating in the examination the names of candidates, who have attained the qualifying standard, which will be determined at the discretion of the Commission. The Cadre Authorities will take steps to appoint them against vacancies decided to be filled in accordance with the rules/regulations framed by them in this regard.

The Commission have discretion to prescribe relaxed minimum qualifying standard for SC/ST candidates.

10. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who, after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE :—In the case of the disabled ex-Defence Service personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of an appointment.

11. All appointments on the results of this examination shall be subject to the condition that unless a candidate has already passed one of the periodical typewriting tests in English or Hindi held by the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission or Staff Selection Commission, he shall pass such a test at a minimum speed of 30 words in English or 25 words in Hindi per minute to be held by the authority designated by the Government for the purpose within a period of one year from the date of appointment, failing which no annual increment(s) shall be allowed to him until he has passed the said test.

If any candidate does not pass the said typewriting test within the period of probation, he is liable to be reverted to his substantive appointment or temporary post held by him before his appointment to Lower Division Grade.

NOTE :—A candidate appointed on the results of the examination who has already passed the typewriting test as prescribed above or who passes it within a period of 6 months from the date of his appointment will be granted the first increment after 6 months instead of one year's service. This will, however, be absorbed in the subsequent regular increments.

12. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it resigns his appointment as a Group 'D' employee or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on 'transfer' and does not have a lien on a Group 'D' post will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a Group 'D' employee who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

A. L. RAJENDRAN, Under Secy.

## APPENDIX

The examination will be conducted according to the following Scheme :—

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
I	Short Essay	100	1½ Hours
II	General English	50	1 Hour
III	General Knowledge (including Geography of India).	50	1 Hour

2. The syllabus for the examination will be as shown in the Schedule to the Appendix.

3. The candidates are allowed the option to answer Paper I or Paper III or both either in Hindi (in Devanagari Script) or in English. Paper II must be answered in English by all candidates.

NOTE 1 : The option for Paper III will be for the complete paper and not for different questions in it.

NOTE 2 : Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers of the examination in Hindi (in Devanagari Script) should indicate their intention to do so in their application. Otherwise it would be presumed that they would answer the papers in English.

NOTE 3 : The option once exercised will be final and no request for change of option will ordinarily be entertained.

NOTE 4 : No credit will be given ~~for answer written in a language other than the one opted by the candidate.~~

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5% of the maximum marks will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for ~~orderly, effective and exact expressions combined with the economy of words~~ in all subjects of the examination.

## SCHEDULE

### SYLLABUS

Paper I : Short Essay :

An essay to be written on any one of the several specified subjects.

Paper II : General English :

Candidates will be tested in simple composition, Applied Grammar and Elementary Tabulation (to test candidates' ability in the art of compiling, arranging and presenting data in a tabular form).

Paper III : General Knowledge (including Geography of Patna

Knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will include questions on Geography of India.

## ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 1st September 1981

No. 31/1/77-M.—In pursuance of the Government of India, Archaeological Survey of India Resolution No. 31/1/80-M dated 24th November 1980, the undermentioned persons elected by the Rajya Sabha/Lok Sabha, nominated by the learned institutions/State Governments/the Chairman from amongst recommendations received from Universities/the Government of India as the case may be, have been appointed Members of the Central Advisory Board of Archaeology :—

## I. MEMBERS ELECTED BY PARLIAMENT

- (i) Shri D. Heerachand, M.P. (Rajya Sabha)  
117, North Avenue,  
New Delhi
- (ii) Shri Bijoy Modak, M.P. (Lok Sabha)  
16, Janpath,  
New Delhi
- (iii) Shri Chandra Bhal Mani Tiwari, M.P. (Lok Sabha)  
30, Western Court,  
New Delhi

## II. NOMINEE OF INDIAN HISTORY CONGRESS

Prof. R. S. Sharma,  
Indian History Congress,  
Indian Institute of Public Administration  
Indraprastha Estate,  
New Delhi

## III. NOMINEE OF ALL INDIA ORIENTAL CONFERENCE

Prof. R. N. Dandekar,  
General Secretary,  
All India Oriental Conference,  
Bhandarkar Oriental Research Institute,  
Pune-411004

## IV. NOMINEE OF ASIATIC SOCIETY

Dr. Sunil Rav,  
Director,  
Indian Museum,  
Calcutta

## V. NOMINEE OF THE ARCHAEOLOGICAL SOCIETY OF INDIA

Dr. D. P. Agarwal,  
Physical Research Laboratory,  
Ahmedabad

## VI. NOMINEE OF THE INDIAN COUNCIL OF HISTORICAL RESEARCH

Prof. A. R. Kulkarni,  
Chairman,  
Indian Council of Historical Research,  
35, Feroz Shah Road,  
New Delhi

## VII. REPRESENTATIVES OF UNIVERSITIES OF INDIA

- (i) Prof. S. R. Das,  
Head of the Department of Ancient  
Indian History, Culture and Archaeology,  
University of Calcutta,  
Calcutta
- (ii) Prof. R. N. Mehta,  
Head of the Department of  
Ancient Indian History  
Culture and Archaeology,  
M. S. University,  
Baroda
- (iii) Prof. K. K. Sinha,  
Head of the Department of  
Ancient Indian History,  
Banaras Hindu University,  
Varanasi
- (iv) Dr. K. V. Raman,  
Department of Ancient Indian History,  
Culture and Archaeology,  
University of Madras,  
Madras

- (v) Dr. B. P. Sinha,  
Head of the Department of  
Ancient Indian History,  
Patna University,  
Patna.

## VIII. REPRESENTATIVES OF STATE GOVERNMENTS

- (i) Shri P. Sitapati,  
Commissioner of Archives,  
Archaeology and Museums,  
Government of Andhra Pradesh,  
Hyderabad
- (ii) Shri G. N. Bhuyan,  
Director of Archaeology  
and State Museum.  
Assam,  
Gauhati
- (iii) Dr. Sita Ram Roy,  
Director of Archaeology  
and Museums,  
Bihar,  
Patna
- (iv) Director of Archaeology,  
Gujarat State,  
Ahmedabad
- (v) Smt. Promila Issar,  
Director of Archaeology,  
Government of Haryana,  
Chandigarh
- (vi) Director of Languages and Culture,  
Government of Himachal Pradesh,  
Simla
- (vii) Shri Peerzada Ali Mohd.  
Director of Archives,  
Library and Museum,  
Government of Jammu and Kashmir,  
Srinagar
- (viii) Shri M. S. Nagaraja Rao,  
Director of Archaeology  
and Museums,  
Government of Karnataka,  
Mysore-570001
- (ix) Shri K. Maheswaran Nair,  
Director of Archaeology,  
Trivandrum
- (x) Shri M. D. Khare,  
Director of Archaeology  
and Museums,  
Government of Madhya Pradesh,  
Bhopal
- (xi) Director of Archaeology,  
Government of Maharashtra,  
Bombay
- (xii) Shri E. Nilakanta Singh,  
Director of Social Welfare.  
Arts/Culture,  
Government of Manipur,  
Imphal
- (xiii) Dr. S. K. Chattopadhyay,  
Deputy Director of Public  
Instruction in Charge Museums and Archives,  
Government of Meghalaya,  
Shillong
- (xiv) Shri M. Alemchiba Ao,  
Joint Director of Art and Culture,  
Government of Nagaland,  
Kohima
- (xv) Director of Cultural Affairs,  
Government of Orissa,  
Bhubaneswar
- (xvi) Sardar Tej Singh,  
Director, Cultural Affairs,  
Archaeology and Museums,  
Government of Punjab,  
Chandigarh
- (xvii) Director of Archaeology and Museums,  
Rajasthan,  
Jaipur

(xviii) Mr. Tashi Densapa,  
Deputy Secretary-in-Charge of Archaeology,  
Government of Sikkim,  
Gangtok

(xix) Dr. R. Nagaswamy,  
Director of Archaeology,  
Government of Tamil Nadu,  
Madras

(xx) Mrs. Ratna Das,  
Curator, Government Museum,  
Government of Tripura,  
Agartala

(xxi) Director of Archaeology,  
Government of Uttar Pradesh,  
Lucknow

(xxii) Secretary,  
Information and Cultural  
Affairs Department,  
Government of West Bengal,  
Calcutta

#### IX. SCIENTISTS

(i) Dr. D. Lal,  
Director,  
Physical Research Laboratory,  
Navrangpura,  
Ahmedabad-380009

(ii) Dr. Vishnu Mittro,  
Birbal Sahni Institute  
of Palaeobotany,  
53, University Road,  
Post Box No. 106,  
Lucknow-226007

#### X. NOMINEES OF THE CENTRAL GOVERNMENT

(i) Prof. G. R. Sharma,  
Head of the Department of  
Ancient Indian History, Culture  
and Archaeology,  
University of Allahabad,  
Allahabad

(ii) Dr. S. B. Deo,  
Director,  
Deccan College Postgraduate  
and Research Institute,  
Pune

(iii) Dr. R. Subramanian,  
Head of the Department of  
Ancient Indian History and Archaeology,  
Nagarjuna University,  
Nagarjunanagar-522510

(iv) Dr. B. Ch. Chhabra,  
N. 36, Greater Kailash Part I  
New Delhi-110048

#### XI. EX-DIRECTORS GENERAL, ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

(i) Prof. H. B. Lal,  
Director,  
Indian Institute of  
Advanced Study,  
Rashtrapati Nivas,  
Simla-5

(ii) Shri M. N. Deshpande,  
Director,  
Archaeological Project,  
Nehru Centre,  
7th Floor, Sterling Centre,  
Dr. Annie Besant Road,  
Worli, Bombay-400018

XIX Shri K. V. Soundara Rajan. —*Member Secretary*  
Joint Director General  
Archaeological Survey of India  
New Delhi

D. MITRA, Director General  
Jt. Secy.